2016

खेल महोत्सव

सम्बल परियोजना बड़वानी

पहल जन सहयोग विकास संस्थान

terre des hommes
Help for Children in Need

भूमिका : खेल शब्द सुनते ही सबके चेहरे पर मुस्कान और आनंद का भाव अपने आप आ जाता है ,क्योंकि खेल यानि मस्ती ,मज़ा और बचपन | हर बच्चे को खेलना अच्छा लगता है ,खेल ना पाने की स्थिति में अफ़सोस भी होता है | पर शायद खेल को लेकर मस्ती मज़ा से उपर कभी हम सोचते नहीं | जबकि खेल बच्चों के विकास का अहम् हिस्सा है | खेल से शारीरिक ,मानसिक एवं सामाजिक हर तरह का विकास होता है | पर खेल कहते ही यदि हम क्रिकेट ,हॉकी या ऐसे ही दुसरे खेलो की सोच रहे है तो रुकिए .....|

यहाँ हम जब खेल की बात कर रहे है तो कम से कम संसाधन व घर के आसपास ही खेलने वाले खेल की ओर इशारा करते है यानि देसी खेल की बात करते है | सितोलिया, पव्वापाली, घोडा बादाम खाए , लंगड़ी,रस्सीकूद, टायर रेस , खो-खो ,छिया छाई, कंचे , भंवरा, पांचे, कबड्डी व गुल्लीडंडा आदि खेल जो घर के आस पास ,बेहद कम संसाधन के साथ और 2 साथी से लेकर 20-30 लोंगो के साथ खेले जा सकने वाले खेल है | ये वो सारे खेल है जो विकास की भागमभाग में कहीं पीछे छूटते जा रहे है | यही सब खेल खेलकर बच्चों को संस्कृति से जोड़ने , भूले बिसरे खेलों को याद करने और खेल के अधिकार को सुनिश्चित करने का एक छोटा सा प्रयास पहल ने किया जिसमे बच्चों के साथ -साथ बड़ों ने भी बेहद उत्साह से भाग लिया |

खेल महोत्सव के उद्देश्य :

1. **खेल के अधिकार से सबको परिचित व जागरूक करना |**
2. **पारंपरिक खेलो को पुन: जीवित करना |**
3. **खेल के अधिकारों को सुनिश्चित करना |**
4. **बच्चो को खेलो से होने वाले लाभ समझाना|**
5. **बच्चो के विकास में खेलो के प्रभाव को स्थापित करना |**

आप सब शायद जानते होंगे कि हम सबके पास अन्य अधिकारों के साथ खेल का भी अधिकार है | खेल का अधिकार जो केवल खेलने की आज़ादी की बात नहीं करता बल्कि खेलने की जगह ,संसाधन व प्रशिक्षण की बात भी कहता है | हर बच्चे को ये सारी चीजे मिलना उसका हक है |

गरीबी, पढाई का बोझ , शारीरिक सक्षमता , मशीनीकरण , शहरीकरण या असुरक्षा **आदि कारणों** से बच्चे खेलने के हक से वंचित रह जाते है | हर कोई बच्चों के भविष्य की बात करता है , पर वर्तमान में उनके खेलने की जगह,सुविधा या व्यवस्था है या नहीं ,इसकी चिंता हम नहीं करते| जबकि अस्तित्व, विकास या सहभागिता का अधिकार तभी सुनिश्चित हो सकता है जब बच्चों के खेल के अधिकार को सुरक्षित किया जाये | हम चाहते है की हर एक का खेलने का अधिकार सुनिश्चित हो , इस बात को पुख्ता और प्रसारित करने के लिहाज़ से 28 मई से 6 जून तक बड़वानी में संबल परियोजना के तहत10 गाँव में खेल महोत्सव का आयोजन किया गया | खेल महोत्सव में एक तरफ जहाँ खेल खेले गए वही दूसरी तरफ पर्यावरण सरंक्षण व बच्चों को लैगिक शोषण से बचाव के लिए जागरूक भी किया गया |

तैयारी व गाँववार गतिविधियाँ : हर गाँव में बाल पंचायत ,युवा व महिला समूहों के साथ बैठक कर उन्हें खेल से होने वाले लाभ और खेल के अधिकार पर चर्चा की गई | सभी के साथ पारंपरिक खेलो के बारे में बात करते हुए खेल खेलकर इन खेलों की यादो को ताज़ा किया |

इसी कड़ी में संबल परियोजना के तहत १० गाँव [**सजवानी, बोरलाय, बंधान , अंजड, मंडवाडा, दवाना, तलवाडाबुजुर्ग, चिखलिया, कालाखेत, बिजासन]** में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया |

टायर [चक्का] रेस : सुबह का वक्त ,धुप सर पर और उत्साह आसमान में |

मैदान में जमा बच्चे अपने आसपास से बेखबर ज़मीन पर खींची गई पतली सी रेखा पर पैर जमाये रेफरी की सीटी बजने का इंतजार कर रहे थे | रेखा पर खड़े हर बच्चे के हाथ में दोपहिया गाड़ी की टायर और एक डंडी थी | पुराना **चक्का** वह भी ख़राब | लेकिन चेहरे पर भाव ऐसे जैसे गाड़ी की दुकान से अभी-अभी कोई महँगी सी गाड़ी लेकर आये हों | सीटी बजते ही सारे बच्चे दौड़ पड़े | दौड़ते-हांफते आखिर **अभय और पायल** जीत गए | अंतिम पड़ाव तक पहुंचते हुए सभी के चेहरों पर पसीने की बूंदें झिलमिलाने लगीं | जीत -हार के सिरदर्द से परे रेस की खुशी सबके चेहरे पर दिखाई दे रही थी| छोटा-बड़ा या अच्छे-बुरे की सोच से अलग केवल एक ही अहसास था खेलने व सीखने का | लक्ष्य पर नज़र , सही गति और टायर व डंडी के बीच का तालमेल ही इस खेल की धुरी है |

<u>खोखो</u>: ऐसा खेल जिसमे दोनों टीम जी जान से भागती ,छकती-छकाती व आनंदित होती है वह है खोखो |

खेल जिसमे एक टीम के सदस्य को दूसरी टीम के लोग छूकर आउट करते है| छूते समय मदद के लिए अपने ही साथी को खो कहकर उठाते है ताकि वह दाम देनेवाले का पीछा करके उसे आउट कर सके | दोनों तरफ १०-१० सदस्य,छोटे -मोटे हर आकार-प्रकार के ,पर खेलने की चाह सबमे असीम | खेल शुरू होते ही हर थोड़ी देर में खो की आवाज़ और भागते क़दमों की आहट सुनाई देती है |

कई बार दौड़ने से धुल का ऐसा गुबार उठता है की पता ही नहीं चलता की पकड़ कौन रहा है और बचना किसको है | धर पकड़ के बीच खेल ख़तम और अंजड की टीम जीत गई | था तो महज़ खेल ही पर थकान के साथ यह भी सीखा गया कि नज़र लक्ष्य पर हो तो थकान आड़े नहीं आती| और सही साथी का चुनाव ,भागने की गति,त्वरित निर्णय क्षमता और खेल के प्रति लगन आपको जीत तक पहुंचा ही देती है | समस्या सामने आने पर घबराये बिना फ़ौरन निर्णय लेना और उस पर अमल करने की कला इस खेल में बड़ी आसानी से सीखी जा सकती है |

सितोलिया :एक टीम बेहद सलीके से सात पत्थरों को एक के उपर एक जमाती है ,फिर दूसरी टीम उसे बाल मारकर गिरा देती है | पहली टीम के सदस्य दुसरे टीम से बचते हुए पत्थर वापस ज़माने का प्रयास करती है | कभी तो लगता है की पत्थर जम ही नहीं पाएंगे ,तभी अचानक चालाकी व पैतरेबाजी से टीम के लोग पत्थर जमा लेते है और विजयी मुद्रा में दूसरी टीम की तरफ देखते है| दूसरी टीम जोरशोर से उन्हें हराने में लगी है |

ऐसे ही खेल चलता रहता है और बच्चे खेल-खेल में सामूहिकता,संगठन की शक्ति, जिम्मेदारी निभाना,अपनी क्षमता से परिचय,योगदान देना और टीम को लेकर चलने का भाव सीखते हुए शारीरिक तौर पर भी मजबूत बन जाते है |

रस्सी कूद : **दीपमाला** जोर -जोर से हवा में उछल रही है और हर उछाल के साथ

मस्तीभरी किलकारी भी सुनाई दे रही है | इन सबमे जैसे होड़ सी लगी है यह बताने की कौन ज्यादा उछल सकता है| ये रस्सी कूद रहे है जिसमें करीब 2 से 2.5 मीटर की रस्सी पर एक या फिर दो लोग मिलकर कूदते है | कूदते समय रस्सी पैर के नीचे से पार की जाती है | इस खेल में समय तय करके कितनी बार कूदा गया उसे गिनकर जीत -हार का फैसला होता है | कद बढ़ाने ,शारीरिक सक्षमता में वृद्धि के साथ-साथ दिमाग में शुद्ध हवा पहुँचाने का सशक्त माध्यम है रस्सीकुद |

पव्वापाली _ संतुलन व सब्र का खेल है पव्वापाली| एक पैर को उपर की ओर मोडकर दुसरे पैर से पत्थर के टुकड़े को मारकर आगे के खाने में पहुँचाना होता है | इस खेल में कुल 8 खाने होते है जो समानांतर 4-4 खानों में बंटे होते है | यह खेल अकेले व जोड़ियों में भी खेली जा सकती है|

फुगडी : हाथों को क्रास में बांधें एक दुसरे को खीचते हुए गोल-गोल घुमने का खेल है | इसमें उर्जा का संचार तेजी से होता है और संतुलन भी मजबूत होता है | इसके अलावा कबड्डी ,क्रिकेट ,विश अमृत ,भस्मासुर आदि खेल खेले गए |

भस्मासुर खेल : भस्मासुर यानि जिसके हाथ रखते ही भस्म हो जाते है | यह खेल गोला बना कर खेलते है जिसे हर आयु के लोग खेल सकते है इस खेल को खेलने के लिए प्रतिभागी एक गोले में खड़े होते है जब प्रतिभागी को एक कदम आगे बढ़ने के लिए कहा जाता है तो वह सिर्फ आगे , दाएं या बाये ही बढ़ सकते है प्रतिभागी पीछे की ओर नहीं जा सकता है| जब एक कदम आगे बढ़ जाते है तब एक प्रतिभागी दुसरे प्रतिभागी के सर पर हाथ रख कर उसे भस्म करता है जिससे वह खेल से बाहर हो जाता है और बाकि बचे प्रतिभागी एक कदम और आगे बढ़ जाते है| यही प्रक्रिया तब तक चलती है तब तक खेल में केवल एक प्रतिभागी बचता है, वह खेल का विजेता बनता है |

पालीथीन मुक्त बड़वानी की पहल [3 जून 2016]

3 जून कलेक्टर कार्यालय बडवानी का नज़ारा कुछ अलग था | आमदिनो की तरह बड़ों की भीड़ से ज्यादा आज यहाँ बच्चों का जमावड़ा था | देखने वाले सब सोच रहे थे ये इतने सारे बच्चे यहाँ क्यों और कहाँ से आये है ,क्या हुआ है ...| तभी बच्चों ने जोर -जोर से नारे लगते हुए रैली शुरू की - ''**पालीथीन से हुई प्रकृति मैली, आओ उपयोग करे कपड़ो की थैली |"** ये और इस जैसे अन्य नारों को सुनकर लोगों को समझ आया कि ये बच्चे क्या कहना चाहते है | रैली पुरे कलेक्टर परिसर में घुमने के बाद अधिकारीयों के कक्ष में पहुंची|

बच्चों ने अधिकारियों तथा वहां मौजूद लोगों को पालीथिन से पर्यावरण व इन्सान को होने वाले नुकसान के बारे में समझाते हुए एक पर्चा दिया और आग्रह किया कि पोलीथिन की बजाय कपड़ों की थैली का उपयोग करें| ये बच्चे पहल

जनसहयोग विकास संस्थान व टी.डी.एच. (संबल) परियोजना के चयनित 10 ग्राम पंचायत के बाल व युवा समूह के सदस्य है जिन्होंने अपने गाँव को पोलीथिन मुक्त करने की पहल जिला कलेक्टर कार्यालय बडवानी से शुरू की| इन बच्चो ने सुबह 10बजे से ही कार्यालय पर अपना डेरा डाल लिया था और जैसे जैसे अधिकारीगण कार्यालय में उपस्थित हुए बच्चों ने उन्हे पोलीथिन से पर्यावरण पर होने वाले दुष्परिणाम से अवगत करवाया | बच्चों ने सबसे आह्वान किया की सब्जी,गीली वास्तु या खाने-पीने का सामान कम से कम पालीथीन का प्रयोग करें और धीरे -धीरे इसे समाप्त करे| इसकी शुरुआत के लिए उन्हें कपड़ों की थैली [सहयोग राशि लेकर] देकर वादा लिया कि वे अब इसी का उपयोग करेंगे |

ये थैलियाँ बड़वानी के गाँव व इंदौर की ऐसी महिला जो एकल , दिव्यांग , विधवा या ऐसी किसी बीमारी से ग्रसित है जिसमे वह कोई भारी काम नहीं कर सकती , के द्वारा बनाई गई है | बच्चो के इस अनोखे प्रयास को देख कर कुछ अधिकारीयों ने बच्चो से स्वयं भी थैलिया खरीद कर अपने सहकर्मी को उपहार स्वरूप भेट की साथ ही पोलीथिन उपयोग न करने का वादा भी लिया | लोगों ने सहयोग राशि देकर अपने व दूसरों के लिए कुल 300 थैलियाँ खरीदी |

पर्यावरण दिवस पर नवाचार [4 ओर 5 जून 2016]

नगर पंचायत अंजड, तलवाडा बुजुर्ग, कालाखेल, सजवानी, बिजासन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बाल पंचायत के बच्चो, महिला समूह के सदस्यों द्वारा पौधा रोपण किया गया इस विश्वास के साथ कि ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर प्रदुषण और सूखे की स्थिति को कम करेंगे | पौधे तो बहुत से लोग लगते है पर यहाँ पौधा रोपण नवाचारी तरीका अपनाया गया| जिसमे बच्चों द्वारा जमीन में खड्डा खोद कर पहले एक पुराना मटका ज़मीन में दबा दिया गया,फिर उसके पास ही पौधा लगाया गया| इसके बाद मटके को पानी से भर कर पौधे को भी पानी दिया गया| इस तकनीक से पौधे को लगभग एक सप्ताह तक पानी मिलता रहेगा| इस तरह से कम पानी व थोड़े से श्रम के उपयोग से बड़ा पेड़ खड़ा किया जा सकेगा | इसी तरह अलग-अलग सार्वजानिक जगहों और बाल पंचायत के सदस्यों ने अपने घर के आगन में भी पौधे लगाये और उन की सुरक्षा करने का संकल्प लिया|

समापन [6 जून 2016]

समापन : खेल महोत्सव का समापन 6 जून 2016 को एक समारोह के रूप में किया गया | समापन समारोह ग्राम अंजड के सुसाड फलिये के माध्यमिक

विद्यालय के प्रांगण में रखा गया | जिस तरफ नज़र जाती बच्चे ही बच्चे | लड़का-लड़की ,छोटे -बड़े , हर गाँव के बच्चे पंडाल में मौजूद थे | हर कोई खुश , उत्साहित और तैयार खेलने के लिए| कोई कबड्डी की तैयारी करके आया तो कोई खो-खो की| किसी को कविता सुनानी थी तो कोई गाना गाना चाहता था ,हर एक की अपनी तैयारी,अपनी उमंग|

कार्यक्रम शुरू हुआ बच्चों के पंजीयन से | हर बच्चे के हाथ में रंग,कही नीला,कही गुलाबी ,पीला-हरा | बच्चे रंग में हाथ डूबते और फिर दीवार पर बैनर पर अपने पंजों की छाप अंकित करते फिर उस पर अपने हस्ताक्षर भी करते | छोटे सुमन ने पूछा क्यों तो बच्चे खुद लगे उसे समझाने- अरे हमें खेलने को मिलेगा तभी तो आगे बढ़ेंगे | खेलने के लिए छुट ,जगह और सामान भी तो चाहिए वो कौन देगा | यही मांग कर रहे है पंजा लगाकर |

इसके बाद सारे बच्चे पंडाल के भीतर दरी पर क्रम से बैठ गए | अतिथियों के स्वागत के बाद सुश्री अनुपा ने संस्था का परिचय दिया व संस्था सचिव प्रवीण गोखले ने खेल का अधिकार और खेल के लाभ पर बात की| फिर अतिथि के प्रेरणादायक उद्बोधन के बाद खेल के अधिकार पर बनाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ| अतिथि से पहले ही प्रदर्शनी देख लेने की बालसुलभ जल्दी , झाँक कर देख लेने पर गर्वीली मुस्कान देखते ही बन रही थी | इसके बाद खेल के लिए हरी झंडी दिखाई गई |

हर ख़िलाड़ी से हाथ मिलाकर शुभकामनायें दी गई| कबड्डी की शुरुआत -

पकड़, देख, सम्हाल की आवाज़ के बीच कबड्डी-कबड्डी की गूँज सुनाई दे रही है| आखिर एक ख़िलाड़ी पकड़ा गया| जैसे-जैसे खेल का रंग जमने लगा बच्चों का उत्साह दुगुना हो रहा था और धुप भी | पर खेल के जोश के सामने धुप फीकी पड़ गई | फिर लड़कियों ने कबड्डी,फुगडी खेला और अंत में क्रिकेट प्रतियोगिता| कार्यक्रम का समापन पुरुस्कार वितरण व आभार के साथ हुआ | इस बीच सबने नाश्ता भी किया और अपने -अपने घर विदा हुए |

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पंचायत अंजड के सी.एम.ओ. श्री दिनेश जमरे व नगर के गणमान्य नागरिक श्री संजय वर्मा, शासकीय कन्या शाला से श्रीमती कुंदा मंडलोई के साथ एवं दसों गाँव के बाल पंचायत व युवा समूह के साथी व अंजड के रहवासियों ने भाग लिया | तीन ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान व खेल सामग्री के प्रस्ताव बच्चों ने पंचायत प्रतिनिधियों के समक्ष रखे और शेष सभी बाल पंचायतों ने अपने-अपने गावों में खेल के मैदान व अन्य व्यवस्थाओं को पंचायत प्रतिनिधि के माध्यम से सुनिश्चित करने की शपथ भी ली |

सीख : खेल महोत्सव के दौरान हर जगह सच में उत्सव का माहौल बन गया था, जिस गाँव में जाते बच्चे झूम जाते कि भैया,दीदी आज कौन सा खेल खेलेंगे| कोई अड़ता कि खोखो ही खेलना है तो किसी को दौड़ लगानी होती| सबकी सहमति से जो भी खेला जाता मज़ा सबको आता| आसानी से किसी बात को सीखने का सबसे सरल माध्यम ,बच्चों तक अपनी बात पहूँचाने का सशक्त तरीका और मस्ती -मज़े के बीच बदलाव की शुरुआत खेल से ही हो सकती है ये हमने जाना और सीखा| केवल बच्चे नहीं बल्कि संबल की पूरी टीम खेल के रंग में रंग गई थी महोत्सव के दौरान|यहाँ तक की अभिभावकों ने भी स्वीकार किया कि खेल से बच्चे बिगड़ते नहीं बल्कि उनकी जीवन की चुनौतियों से जूझने की क्षमता बढ़ती है| हमारी इच्छा और जरुरत से बढकर ,खेल हमारा अधिकार है इस बात को जन-जन तक पहुँचाने का हमारा प्रयास काफी हद तक सफल रहा| हर गाँव से लगभग 80-100 बच्चे खेल में शामिल हुए,यानि लगभग 1000 बदलाव के सन्देशवाहक तैयार हो गए| अब हम खेले ना खेले ,ये खेलेंगे और दुसरो को भी खेलने के लिए प्रोत्साहित करेंगे |

हर बच्चा खेले, हर बड़ा भी खेले | आगे बढ़कर, हक अपना लेले ||

पहचान बनेगी,विकास भी होगा ,सहभागिता से जो वो जीले ||

इसी विचार के साथ यह खेल महोत्सव चलता रहेगा ,हर गाँव ,हर फलिए हर बच्चे तक ,तब तक जब तक हर बच्चा खेलने ना लगे |

28 मई से 6 जून तक खेल महोत्सव में खेले गये खेल की सूची

क्र.	गांव	खेल	सहभागी
1	बिजासन	खोखो, कबड्डी, रस्सीकूद, फूगड़ी, टायर रेस, भस्मासूर, विश अमृत, क्रिकेट, गुल्ली डंडा, सितोलिया, घोड़ा बादाम खाये, हाथी सूंड़ , बर्फ पानी	बाल पंचायत ,युवा पंचायत के सदस्य एवं गांव के अन्य बच्चे
2	तलवाड़ा बुजूर्ग	खोखो, कबड्डी, रस्सीकूद, फूगड़ी, टायर रेस, भस्मासूर, विश अमृत, क्रिकेट, गुल्ली डंडा, सितोलिया, घोड़ा बादाम खाये, हाथी सूंड़ , बर्फ पानी	बाल पंचायत ,युवा पंचायत के सदस्य एवं गांव के अन्य बच्चे
3	सजवानी	खोखो, कबड्डी, टायर रेस, घोड़ा बादाम खाये, हाथी सूंड़ , बर्फ पानी, कुर्सी दौड़	बाल पंचायत ,युवा पंचायत के सदस्य एवं गांव के अन्य बच्चे
4	अंजड़	खोखो, कबड्डी, रस्सीकूद, टायर रेस, गुल्ली डंडा, सितोलिया, घोड़ा बादाम खाये, हाथी सूंड़ ,पव्वा पाली	बाल पंचायत ,युवा पंचायत के सदस्य एवं गांव के अन्य बच्चे
5	बोरलाय	खोखो, कबड्डी, रस्सीकूद, टायर रेस, भस्मासूर, छीया छाई, सितोलिया, घोड़ा हाथी सूंड़ , बर्फ पानी,पव्वा पाली	बाल पंचायत ,युवा पंचायत के सदस्य एवं गांव के अन्य बच्चे
6	चिखलिया	खोखो, कबड्डी, रस्सीकूद, फूगड़ी, टायर रेस, भस्मासूर, क्रिकेट, गुल्ली डंडा, सितोलिया, हाथी सूंड़ , बर्फ पानी	बाल पंचायत ,युवा पंचायत के सदस्य एवं गांव के अन्य बच्चे
7	कालाखेत	खोखो, कबड्डी, रस्सीकूद, फूगड़ी, भस्मासूर, विश अमृत, गुल्ली डंडा,घोड़ा बादाम खाये, हाथी सूंड़ , बर्फ पानी	बाल पंचायत ,युवा पंचायत के सदस्य एवं गांव के अन्य बच्चे
8	दवाना	दौड़ , क्रिकेट, गुल्ली डंडा, लंगड़ी चाल खोखो,कबड्डी, घोड़ा बादाम खाये, रस्सीकूद,	बाल पंचायत ,युवा पंचायत के सदस्य एवं गांव के अन्य बच्चे
9	मण्डवाड़ा	खोखो, कबड्डी, रस्सीकूद, फूगड़ी, टायर रेस, क्रिकेट, गुल्ली डंडा, सितोलिया, घोड़ा बादाम खाये, हाथी सूंड़ , बर्फ पानी,लंगड़ी चाल,पव्वापाली	बाल पंचायत ,युवा पंचायत के सदस्य एवं गांव के अन्य बच्चे
10	बंधान	रस्सीकूद, फूगड़ी, टायर रेस, क्रिकेट,, घोड़ा बादाम खाये, हाथी सूंड़ , बर्फ पानी	बाल पंचायत ,युवा पंचायत के सदस्य एवं गांव के अन्य बच्चे

झलकियाँ उमंगों की .....

बुधवार.08.06.2016

पत्रिका

बाल खेल महोत्सव का समापन

[illegible]

अंजड़ @ पत्रिका. पहल जन सहयोग विकास संस्थान टीडीएच [illegible] परियोजना के तत्वावधान में बाल खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें चयनित 10 ग्राम पंचायत के बाल व युवा समूह के सदस्यों ने भाग लिया। संस्था सदस्य अश्विन चौहान ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के खेल अधिकार को सुनिश्चित करना है। [illegible]

खेल महोत्सव आज

अंजड़, (आरएनएन)। [illegible]

राज एक्सप्रेस

पर्यावरण को पॉलीथीन मुक्त करने बच्चों ने की पहल

संस्था व बाल पंचायत सदस्यों ने किया पौधारोपण

[illegible]

पत्रिका

खेल महोत्सव आज

अंजड़ @ पत्रिका. पहल जन सहयोग विकास संस्थान एवं टीडीएच के सहयोग से नगर के सोसाड़ फल्या स्कूल में 10 गांवों के युवा समूह व बाल पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को सुबह 10 बजे बाल खेल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

सोमवार.06.06.2016

सहभागी सूची

क्रिकेट टीम अंजड - **सचिन तेंदुलकर टीम** 1. कुणाला दरबार 2. निलेश चौहान 3. राज 4. दिलीप चौहान 5. सावन बामनिया 6. शिवम बामनिया 7. अभय दरबार 8. श्याम बामनिया 9. रोहित बामनिया 10. सुरेश 11. राजपाल सिंह	खो खो, कबड्डी टीम बडगाव - **सानिया मिर्जा** 1. विशाल कन्नोज 2. बादल भूरिया 3. राज भूरिया 4. साग रडावर 5. अनीता भूरिया 6. प्रेरणा कन्नोज 7. दुर्गा दावर 8. आरती भूरिया 9. माया कन्नोज 10. पूजा दावर 11. पायल कन्नोज
कबड्डी टीम अंजड - **विश्वनाथ आनंद टीम** 1. कुणाला 2. राज 3. निलेश 4. दिलीप चौहान 5. श्याम बामनिया 6. अभय 7. सावन बामनिया	कबड्डी टीम ,खो खो टीम अंजड - **सानिया नेहवाल** 1. रानी यादव 2. नंदनी यादव 3. दिपमाल चौहान 4. नंदनी पाटीदार 5. टीना चौहान 6. संजना चौहान 7. दुर्गा चौहान 8. दिशा चौहान
खोखो,कबड्डी बंधान - **मिलखा सिंह** 1. सोनी मोरे 2. रामी गोयल 3. सीमा मेघवाल 4. देवी मेघवाल 5. लक्ष्मी मेघवाल 6. सीमा मेघवाल 7. अनीता अज्नारे 8. ममता मोरे	कबड्डी टीम बोरलाय - **मेजर ध्यानचन्द** 1. बंटी -कप्तान 2. बलि 3. देवेन्द्र 4. आकाश 5. अश्विन 6. सियाराम 7. लोकेश 8. दिनेश 9. शिवा

बोरलाय खोखो टीम - **मेरी कॉम** 1. आशा राम- कप्तान 2. बंटी 3. कमलेश 4. मनीष 5. विशाल 6. सुरेश 7. जितेन्द्र 8. विजय 9. दिनेश	बोरलाय कबड्डी टीम लडकियां - **बैचेंद्री पॉल** 1. पूजा - कप्तान 2. भारती 3. रानी 4. नंदनी 5. नेना 6. भगवती 7. आशा 8. पूजा 9. दुकमानी
सजवानी कबड्डी टीम - **झूलन गोस्वामी** 1. तरुण डावर 2. खुशबु 3. ज्योति 4. पूनम 5. जगदीश 6. कारन 7. जमना 8. भारत 9. रोहित	खो खो टीम सजवानी - **तानिया सचदेवा** 1. अशोक 2. पवन 3. पूनम 4. पिंटू 5. उदय 6. काजल 7. पवन 8. ज्योति 9. वंदना
सजवानी कब्बडी टीम - **प्रकाश पादुकोण** 1. अशोक 2. वंदना 3. उदय 4. प्रवीण 5. काजल 6. रोनक 7. मधुबाला 8. पिहूँ 9. रोहित	खो खो टीम सजवानी - **पी.टी. उषा** 1. मधुबाला 2. प्रवीण 3. कारन 4. जमना 5. रोहित 6. जगदीश 7. रोनक 8. खुशबु 9. तरुणा

सहभागी सूची

क्रिकेट टीम दवाना - **विराट कोहली** 1. मोहित तोमर 2. शशांक तोमर 3. पियूष तोमर 4. शुभम तोमर 5. टीपक तोमर 6. अनिकेत शोह्नेल 7. सुजीत चौहान 8. राज चौहान 9. सतीश सोलंकी 10. ऋतिक सोलंकी 11. शशांत चौहान	मंडवाडा क्रिकेट टीम - **महेंद्र सिंह धोनी** 1. विकाश मुजाल्दे 2. अंकित कैलाश 3. अश्विन चौहान 4. शोराभ 5. सुरेन्द्र 6. श्रीराम 7. पवन 8. पियूष 9. मोहित 10. पवन बडोले 11. हर्ष वर्धन
दवाना कबड्डी टीम - **मल्लेश्वरी** 1. ऋतिक सोलंकी 2. मनीष सोलंकी 3. मोहित तोमर 4. पियूष तोमर 5. सुजीत चौहान 6. राज चौहान 7. सतीश सोलंकी	मंडवाडा कबड्डी टीम - **लैंडर पेस** 1. पवन बडोले 2. हर्ष वर्धन 3. विकाश मुजल्दे 4. अंकित 5. सुरेन्द्र 6. श्री राम 7. पियूष

समापन दिवस पर विशेष योगदान करने वाले बाल एवम युवा साथी के नाम

ग्राम - **तलवाड़ा बुजुर्ग** 1. अंजलि मोरे उम्र 14 वर्ष (स्कूल) 2. अंजलि मोरे उम्र 12 वर्ष (स्कूल) 3. विशाल मकवाना उम्र14 वर्ष (स्कूल) 4. रोशन मोरे उम्र 12 वर्ष (स्कूल)	ग्राम - **अंजड़** 1. कुणाल दरबार उम्र 14 वर्ष (स्कूल) 2. मुस्कान बामनिया उम्र 13 वर्ष (स्कूल) 3. राजेश्वर बामनिया उम्र 14 वर्ष(शाला त्यागी) 4. राज पाल सिंह उम्र 13 वर्ष (शाला त्यागी) 5. टीना चौहान उम्र 13 वर्ष
ग्राम **बडगाव** 1. विशाल काननोज उम्र 15 वर्ष (स्कूल) 2. माया काननोज उम्र 16 वर्ष (स्कूल) 3. बादल भूरिया उम्र 15 वर्ष (शाला त्यागी) 4. अनीता डावर उम्र 16 वर्ष (शाला त्यागी) 5. दुर्गा डावर उम्र 17 वर्ष (शाला त्यागी	ग्राम - **मंडवाडा** 1. पूनम बड़ोले उम्र 16 वर्ष (शाला त्यागी) 2. सपना बड़ोले उम्र 18 वर्ष (शाला त्यागी) 3. नेहा उम्र 17 वर्ष (स्कूल) 4. आश्विन चौहान 14 वर्ष (स्कूल)
ग्राम - **चिखलिया** 1. लूसिया राम लाल उम्र 15 वर्ष (स्कूल) 2. रामा चौहान उम्र 14 वर्ष (शाला त्यागी) 3. सामा चौहान उम्र 15 वर्ष (स्कूल) 4.नक्का चौहान उम्र 15 वर्ष (शाला त्यागी) 5. दिनेश चौहान 18 वर्ष (शाला त्यागी)	ग्राम **- काला खेत** 1. राहुल मयराम उम्र 15 वर्ष (स्कूल) 2. कूवर सिंह दूर सिंह उम्र 16 वर्ष (स्कूल) 3. निर्मला भांगड़ा उम्र 16 वर्ष (स्कूल) 4. माधुरी लक्षमन उम्र 16 वर्ष (स्कूल)
ग्राम- **दवाना** 1. श्वेता पवार उम्र 14 वर्ष (स्कूल) 2. कृष्णा चौहान उम्र 14 वर्ष (स्कूल) 3. रूपेश वर्मा उम्र 16 वर्ष (शाला त्यागी) 4. शशांक चौहान उम्र 15 वर्ष (स्कूल)	ग्राम - **बिजासन** 1. राज वंश केवट उम्र 15 वर्ष (स्कूल) 2. विकास उम्र 13 वर्ष (शाला त्यागी) 3. लक्ष्मी उम्र 18 वर्ष (शाला त्यागी) 4. सपना वासकले उम्र 16 वर्ष (स्कूल) 5. पूजा डावर उम्र 15 वर्ष (स्कूल)